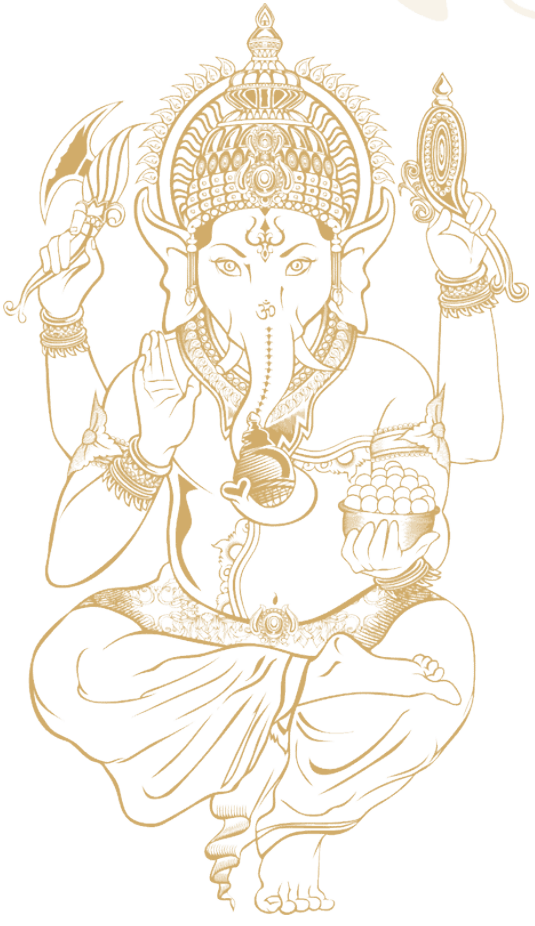

SONU PANDEY

13 Mar 1995

06:30 PM

Ara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121075002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/03/1995**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	31:05:52 घटी
स्थान	**Ara**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:38:40 घंटे
वेलान्तर	-00:09:40 घंटे
साम्पातिक काल	06:01:26 घंटे
सूर्योदय	06:03:39 घंटे
सूर्यास्त	17:58:43 घंटे
दिनमान	11:55:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:41:32 कुम्भ
लग्न के अंश	06:31:55 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:31:55	325:51:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			कुंभ	28:41:32	00:59:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	14:57:28	12:49:14	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल	व		कर्क	20:09:37	00:08:34	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			कुंभ	04:17:46	01:23:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	21:01:57	00:03:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मक	18:43:44	01:11:05	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	22:08:08	00:07:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु	व		तुला	12:43:52	00:06:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	12:43:52	00:06:55	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:33:13	00:02:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:12:04	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:47:11	00:00:19	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	06:32:14	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:35

लग्न-चलित

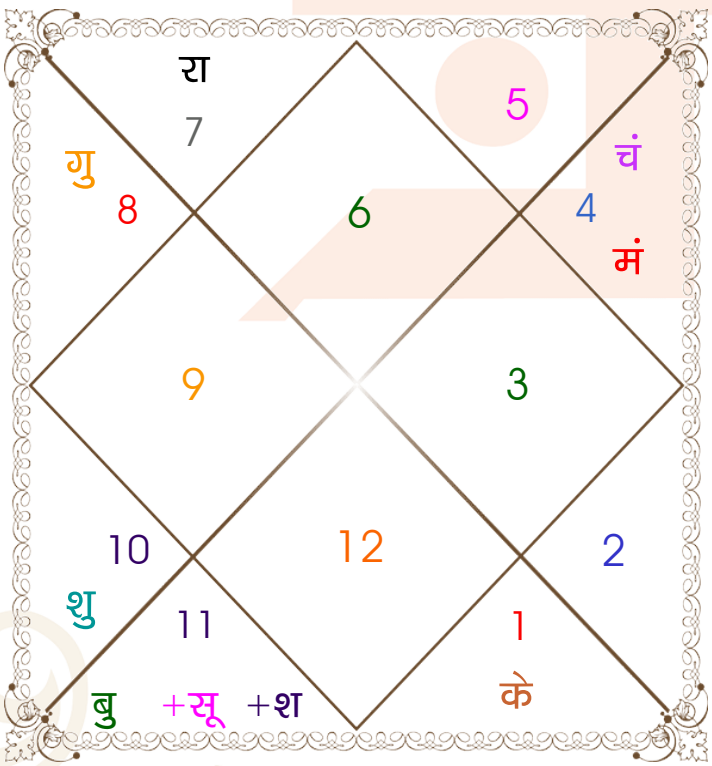

चन्द्र कुंडली

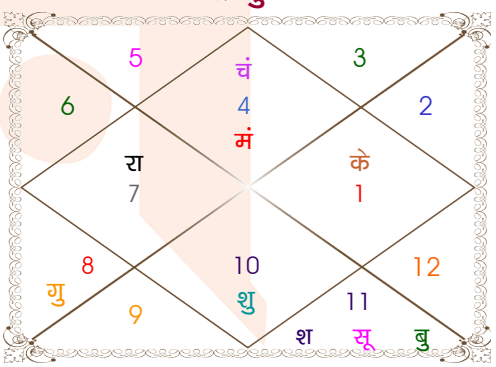

नवमांश कुंडली

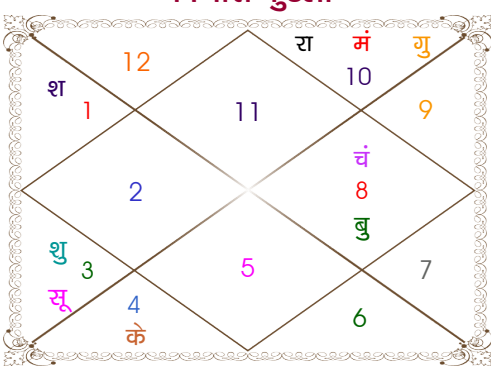

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 5 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
13/03/1995		19/08/1997		19/08/2014		19/08/2021		19/08/2041	
19/08/1997		19/08/2014		19/08/2021		19/08/2041		19/08/2047	
	00/00/0000	बुध	15/01/2000	केतु	15/01/2015	शुक्र	18/12/2024	सूर्य	06/12/2041
	00/00/0000	केतु	12/01/2001	शुक्र	16/03/2016	सूर्य	18/12/2025	चंद्र	07/06/2042
	00/00/0000	शुक्र	12/11/2003	सूर्य	22/07/2016	चंद्र	19/08/2027	मंगल	13/10/2042
	00/00/0000	सूर्य	18/09/2004	चंद्र	20/02/2017	मंगल	18/10/2028	राहु	06/09/2043
	00/00/0000	चंद्र	17/02/2006	मंगल	19/07/2017	राहु	19/10/2031	गुरु	25/06/2044
	00/00/0000	मंगल	15/02/2007	राहु	07/08/2018	गुरु	19/06/2034	शनि	07/06/2045
	00/00/0000	राहु	03/09/2009	गुरु	14/07/2019	शनि	19/08/2037	बुध	13/04/2046
	13/03/1995	गुरु	10/12/2011	शनि	21/08/2020	बुध	19/06/2040	केतु	19/08/2046
गुरु	19/08/1997	शनि	19/08/2014	बुध	19/08/2021	केतु	19/08/2041	शुक्र	19/08/2047

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/08/2047		19/08/2057		18/08/2064		19/08/2082		19/08/2098	
19/08/2057		18/08/2064		19/08/2082		19/08/2098		14/03/2115	
चंद्र	19/06/2048	मंगल	15/01/2058	राहु	02/05/2067	गुरु	06/10/2084	शनि	23/08/2101
मंगल	18/01/2049	राहु	02/02/2059	गुरु	24/09/2069	शनि	19/04/2087	बुध	02/05/2104
राहु	19/07/2050	गुरु	09/01/2060	शनि	31/07/2072	बुध	25/07/2089	केतु	11/06/2105
गुरु	18/11/2051	शनि	17/02/2061	बुध	18/02/2075	केतु	01/07/2090	शुक्र	10/08/2108
शनि	19/06/2053	बुध	14/02/2062	केतु	07/03/2076	शुक्र	01/03/2093	सूर्य	23/07/2109
बुध	18/11/2054	केतु	13/07/2062	शुक्र	08/03/2079	सूर्य	18/12/2093	चंद्र	22/02/2111
केतु	19/06/2055	शुक्र	13/09/2063	सूर्य	31/01/2080	चंद्र	19/04/2095	मंगल	01/04/2112
शुक्र	17/02/2057	सूर्य	18/01/2064	चंद्र	31/07/2081	मंगल	25/03/2096	राहु	06/02/2115
सूर्य	19/08/2057	चंद्र	18/08/2064	मंगल	19/08/2082	राहु	19/08/2098	गुरु	14/03/2115

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 4 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।